पेप टेस्ट और सर्विक्स* के केन्सर के बारे में प्रश्न

*ग्रीवा/गर्भाशय का मुंह

सी.बी.सी.सी. – यू.एस.ए. से प्राप्त पायनिरिंग अनुदान से
इस उपयोगी सामग्री को आंशिक रूप से तैयार करना संभव हुआ है।

India Cancer Initiative

Distributed by

Cancer Patients Aid Association
TOTAL MANAGEMENT OF CANCER

American Cancer Society®

पेप टेस्ट कराना उन सभी महत्वपूर्ण कदमों में से एक है जो कोई भी महिला स्वयं को सर्वाइकल (ग्रीवा/गर्भाशय के मुंह के) केन्सर से बचाने के लिए कर सकती है।

- सर्विक्स गर्भाशय का निचला मुंह होता है।
- पेप टेस्ट सर्विक्स में उन बदलावों को जांचता है जो कि केन्सर में परिवर्तित हो सकते हैं ।
- सर्विक्स में बदलाव प्राय: एक सामान्यत: पाए जाने वाले वायरस के कारण होता है, जिसे हयूमन पेपिलोमा वायरस (एच पी वी) कहते हैं।
- एच पी वी से सर्विक्स में परिवर्तनों के कारण सर्वाइकल केन्सर हो सकता है।
- यदि केन्सर होता भी है, तो पेप टेस्ट से इसका प्रारंभ में ही लग सकता है, जब इसे उपचारित करना आसान होता है।
- आपका डॉक्टर बता सकता है कि आपको पेप टेस्ट कब-कब कराना है।

क्या सर्वाइकल केन्सर की रोकथाम की जा सकती है?

जी हां। नियमित पेप टेस्ट करते रहने के साथ आपके डॉक्टर के साथ उचित परामर्श-बातों के द्वारा सर्वाइकल केन्सर को अधिकांश बार रोका जा सकेगा। नियमित पेप टेस्ट से सर्विक्स की कोशिकाओं में हुए परिवर्तनों का पता, उनके सर्वाइकल केन्सर में बदलने से पहले लगाया जा सकता है, और इन परिवर्तनों को केन्सर बनने से पहले उपचारित किया जा सकता है। पेप टेस्ट अधिकांश केन्सरों का पता प्रारंभिक अवस्था में लगा सकता है, जब इन्हें पूरी तरह से उपचारित किया जा सकता है। अधिकांश सर्वाइकल केन्सर, हालांकि, उन महिलाओं में ही पाए जाते हैं जो नियमित रूप से जांच नहीं कराती हैं अथवा जिन्होंने पिछले 5 वर्षों से एक भी बार जांच नहीं कराई है।

यदि सभी महिलाएं पेप टेस्ट नियमित रूप से करा लेती तो अधिकांश सर्वाइकल केन्सरों को रोका जा सकता था।

पेप टेस्ट क्या है?

एक पेप टेस्ट में, पेल्विस (श्रोनी प्रदेश) की जांच के दौरान एक महिला के सर्विक्स से एक स्वाब अथवा मुलायम ब्रश से कुछ कोशिकाएं ली जाती हैं। इन कोशिकाओं की माइक्रास्कोप (सूक्ष्मदर्शी) से जांच की जाती है। पेप टेस्ट डॉक्टरों को सर्विक्स की कोशिकाओं में हुए उन प्रारंभिक परिवर्तनों का पता लगाने में सहायता देता है जो संभवत: केन्सर उत्पन्न कर दें।

अन्य कौन से टेस्ट कराएं जा सकते हैं?

भारत में कुछ चिकित्सक एवं चिकित्सा केन्द्र महिलाओं को एक विजुअल निरीक्षण जांच (आंखों से की जाने वाली जांच), जिसे वी.आई.ए कहा जाता है, कराने का सुझाव देते हैं। यह जांच भी-पेल्विस की जांच के दौरान की जाती है। सर्विक्स में रूई के फाहे से एक घोल लगाया जाता है। लगभग दो मिनट पश्चात एक तेज रोशनी में सर्विक्स को देखा जा सकता है कि क्या उसकी सतह पर कोई परिवर्तन हुए हैं। ये परिवर्तन सर्विक्स की कोशिकाओं में अनियमित बदलाव के फलस्वरूप होते हैं। एक और विजुअल निरीक्षण जांच भी की जा सकती है जिसे वी.आई.एल.आई. (विलि) कहा जाता है। इस जांच में सर्विक्स पर एक अन्य घोल लगाया जाता है और इसके लिए एक विशेष उपकरण की आवश्यकता होती है।

पेप टेस्ट हेतु तैयार होने के लिए मैं क्या कर सकती हूं?

- माहवारी के दौरान अपना टेस्ट न कराएं।
- टेस्ट के 48 घंटे (2 दिन) पहले आपका लैंगिक सम्पर्क न करना सबसे अच्छा होता है।
- टेस्ट के 48 घंटे पहले तक योनि में कुछ भी न डालना, जैसे क्रीम, फोम अथवा पैड (टेम्पून्स), सबसे अच्छा होता है।

यदि मेरे कोई लैंगिक सम्पर्क नहीं हैं, तो क्या तब भी मुझे पेप टेस्ट कराने की आवश्यकता होगी?

जी हां, जो महिलाएं पूर्व में लैंगिक रूप से सक्रिय होती हैं, उन्हें भी सर्वाइकल केन्सर हो सकता है।

मुझे सर्वाइकल केन्सर की जांच कब-कब करानी चाहिए?

- आपको 30 वर्ष की उम्र से पेप टेस्ट कराना प्रारंभ कर देना चाहिए। यह जांच हर 3 वर्षों में करवानी चाहिए।
- यदि आपकी उम्र 50 वर्ष अथवा उससे अधिक है, तो आप हर 5 वर्षों में यह जांच करा सकती हैं।
- यदि आपकी आयु 65 वर्ष की है और आपके लगातार 2 पेप टेस्ट निगेटिव (सामान्य रिपोर्ट वाले) रहे हैं, तो आपको और टेस्ट कराने की आवश्यकता तब तक नहीं है जब तक कि आपको सर्वाइकल केन्सर का कोई लक्षण नहीं होता है।
- यदि हिस्टेरेक्टौमी के साथ गर्भाशय और सर्विक्स को निकाल दिया गया है तो आप यह जांच करवाना रोक सकती हैं, अन्यथा इसके कि वह सर्जरी सर्वाइकल केन्सर के उपचार के लिए की गई थी। यदि आपका सर्विक्स को नहीं निकाला गया है, तब आपको यह जांच कराते रहना होगा।

तब क्या जब मेरा पेप टेस्ट नेगेटिव है?

यदि आपकी जांच नेगेटिव (सामान्य) है, तो इसका अर्थ है कि आपमें ऐसे कोई भी कोशिका-परिवर्तन नहीं है जो कि केन्सर उत्पन्न कर दें। फिर भी, यह सुनिश्चित करने के लिए कि इनमें (केन्सर के) परिवर्तन तो उत्पन्न नहीं हो गए हैं, आपको नियमित रूप से अपनी जांच करवाते रहना होगा।

तब क्या जब मेरा टेस्ट पॉजिटिव है?

यदि आपकी जांच पॉजिटिव (कोशिका-परिवर्तन बताती) है तो आपको अपने डॉक्टर से अवश्य बात करनी चाहिए। क्या आपको केन्सर की पूर्वावस्था अथवा केन्सर है, यह पता लगाने के लिए आपको अन्य टेस्ट कराने होंगे। यदि आप केन्सर की पूर्वावस्था से पीड़ित हैं, तो आपका डॉक्टर निर्णय करेगा कि क्या इस दशा में अपने आप सुधार हो जाएगा या वह आपका उपचार करेगा। यदि आपको केन्सर है तो आपको तत्काल उपचार कराना आवश्यक होगा।

मुझे एच पी वी के बारे में क्या जानना चाहिए?

एच पी वी उन लोगों में एक बहुत ही सामान्य वायरस है जो यौन संबंध बनाए हुए हैं। यह वायरस एक से दूसरे व्यक्ति में घनिष्ठ यौन संबंध से फैलता है। अधिकांश लोगों को कभी पता नहीं चलता है कि उनमें यह वायरस है, और सामान्यत: यह स्वत: ही चला भी जाता है। कुछ महिलाओं में, इस वायरस से सर्विक्स की कोशिकाओं में परिवर्तन आ सकते हैं। इन परिवर्तनों को पेप टेस्ट अथवा सर्वाइकल केन्सर की अन्य जांचों से जाना जा सकता है। अत: यदि किसी महिला में एच पी वी पाया जाए और इससे सर्विक्स की कोशिकाओं में परिवर्तन उत्पन्न हो गए हों, तो इन परिवर्तनों को सर्वाइकल केन्सर की एक जांच से जाना जा सकेगा और तब उन्हें उपचारित भी किया जा सकेगा।

सर्वाइकल केन्सर के संकेत और लक्षण क्या हैं?

- यौनि से असामान्य ब्लीडिंग
- यौनि से असामान्य डिस्चार्ज
- संभोग के दौरान दर्द

ये संकेत व लक्षण सर्वाइकल केन्सर के अलावा अन्य रोगों से भी हो सकते हैं। यदि आपको इनमें से कोई समस्या है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से मिलें, चाहे आप पेप टेस्ट करवा रही हैं तब भी। जिन महिलाओं में सर्वाइकल केन्सर प्रारंभिक अवस्था में होता है, सामान्यत: उन्हें कोई भी लक्षण नहीं होते हैं।

©2009, American Cancer Society, Inc.
No.011284
India Project

सर्वाइकल केन्सर की रोकथाम में सहायक उपाय

- नियमित समय पर पेप टेस्ट कराएं।
- अपने पेप टेस्ट के परिणामों को जान लें।
- अपने डॉक्टर से मिलें यदि आपको आगे उपचार की आवश्यकता है।
- किसी भी लक्षण की जानकारी अपने डॉक्टर को सदैव दें।

American Cancer Society® Global

CBCC COMPREHENSIVE BLOOD & CANCER CENTER *Outsmarting Cancer*

Creation of this material was made possible in part by a pioneering grant from CBCC-USA.

cancer.org